टिप्पणी

28

321hi28B

कशीदाकारी (हाथ की कढ़ाई)

आप सबने घर और बाजार में कढ़ाई किये गये कपड़े अवश्य देखे होंगे। क्या आपने ध्यान दिया है कि किस प्रकार कुछ छोटे छोटे टांके जो भिन्न भिन्न धागों की सहायता से लगाये जाते हैं वे एक सादे कपड़े को एक कलाकृति का रूप दे देते हैं। भारतीय लोगों के जीवन में कढ़ाई/कशीदा की हमेशा एक महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। यह एक ऐसी कला है जिसे महिलाओं और पुरूषों दोनों ने ही न केवल अपनी रचनात्मक ललक को संतुष्ट करने के लिये बल्कि अपनी आजीविका कमाने के लिये भी अपनाया है। यह पहले भी और आज भी रूमाल जैसी छोटी–छोटी व्यक्तिगत चीजों से लेकर कुशन, पर्दे, वॉल हैंगिंग, चादरें, मेजपोश और विभिन्न प्रकार के वस्त्रों को सजाने के लिये प्रयोग की जाती है।

आप भी कढ़ाई करना सीख सकते हैं, लेकिन इसके लिये आपको कुछ बुनियादी जानकारी, और कुछ आवश्यक सामग्री व उपकरणों की आवश्यकता होगी। इस पाठ में आप इन सब बातों की जानकारी प्राप्त करेंगे। आइये अब कढ़ाई के संसार में प्रवेश करें और इसके विषय में जानें।

उद्देश्य

इस पाठ को पढ़ने के बाद निम्नलिखित कर पायेंगे–

- कशीदाकारी कढ़ाई का अर्थ बताना;
- कढ़ाई के लिये प्रयुक्त सामग्री और उपकरणों की पहचान करना और प्रत्येक के कार्य की व्याख्या करना।

28.1 कढ़ाई का अर्थ

कढ़ाई कपड़े की सतह पर सजावटी प्रभाव पैदा करने की कला है, जो सुई और धागे

टिप्पणी

की सहायता से उत्पन्न किया जाता है। इसे सुई और धागे से बनाई गयी पेंटिंग भी कहा जा सकता है। हमारे संग्रहालयों में संसार भर से एकत्रित कढ़ाई के सुंदर सुंदर नमूने रखे गये हैं। उनमें से प्रत्येक भिन्न है लेकिन उनमें प्रयुक्त आधारभूत टांके और तकनीक में काफी समानता पायी जाती है। कुछ प्रसिद्ध भारतीय कशीदाकारी हैं–

- पंजाब की फुलकारी
- बंगाल का कांथा
- कर्नाटक की कसूती
- उत्तर प्रदेश की चिकनकारी
- कश्मीर की जरदोज़ी
- गुजरात की सिंधी या कच्छी कढ़ाई

याद रखिये, ये केवल कुछ उदाहरण मात्र हैं। इसके अतिरिक्त भी कई अन्य कढ़ाइयां है जिनकी रचना हमारे ही देश में हुई है। जब भी आप दिल्ली आयें, प्रगति मैदान स्थित क्रा फ्ट म्यूजियम अवश्य जायें, जहाँ आप कढ़ाई वाले सुन्दर वस्त्र देख सकते हैं।

28.2 कढ़ाई के लिये प्रयुक्त सामग्री और उपकरण

यदि आपको कढ़ाई करनी है तो उचित सामग्री और अच्छी तरह से काम करने के लिये उपकरण आदि को एकत्र करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इसके लिये बहुत सारी चीजों की आवश्यकता नहीं है। अतः जो कुछ भी आप जुटा पायें उसी का चुनाव करें। अच्छे उपकरण से अच्छा काम होता है। कशीदाकारी के उपकरणों को उचित ढंग से प्रयोग करना सीखें ताकि आपका कार्य सर्वोत्तम हो।

(a) सुई – कढ़ाई के लिये अच्छी सुई होना सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण है। इनका आकार मोटे (#1) से बहुत पतले (#10) तक होता है। सही कपड़े के लिये सही सुई का चुनाव ही करना चाहिये। महीन कपड़े के लिये बारीक सुई और मोटे कपड़े के लिये मोटी सुई का ही प्रयोग करें। सुई को धागे से थोड़ी मोटी ही लें ताकि कपड़े पर थोड़ा बड़ा छेद बन जाये और धागा उस छेद से निकल सके। सुई की नोंक भी सदैव पतली होनी चाहिये ताकि कपड़े में से यह आसानी से अंदर और बाहर जा सके। मुड़ी हुई और बिना नोंक वाली सुई या जंग लगी हुई सुई का कभी भी प्रयोग न करें। इससे काम की एकरूपता और सफाई प्रभावित होगी। अपनी सुइयों को सुई के डिब्बे में ही रखें।

टिप्पणी

चित्र: 28.1 कढ़ाई की सुई

(b) अंगुस्ताना/थिम्बल – यह एक छोटा सा, हल्की धातु का टोपीनुमा टुकड़ा होता है जो मध्यमा या बीच की अंगुली में आसानी से फिट हो जाता है। इससे सुई को कपड़े में डालते समय अंगुली जख्मी नहीं होती। अंगुस्ताना कई आकारों में आता है। खरीदने से पहले, सही नाप के लिये अपनी अंगुली में डालकर अवश्य देखें।

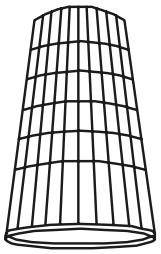

चित्र: 28.2 अंगुस्ताना

(c) कैंची – कढ़ाई की कैंची छोटी और तेज व संकरे, नुकीले सिरे वाली होती है। कैंची को हमेशा कवर में रखें और समय–समय पर उन पर धार लगाते रहें। ये धागे के खुले किनारों को सफाई से काटने के काम आती है। आजकल धागों को काटने के लिये क्लिपर्स भी उपलब्ध हैं। ये छोटी कैंचियों या चिमटियों/ट्वीजर्स की भाँति तेज धार वाली होती हैं जो धागे को सफाई से काटने में मदद करती हैं।

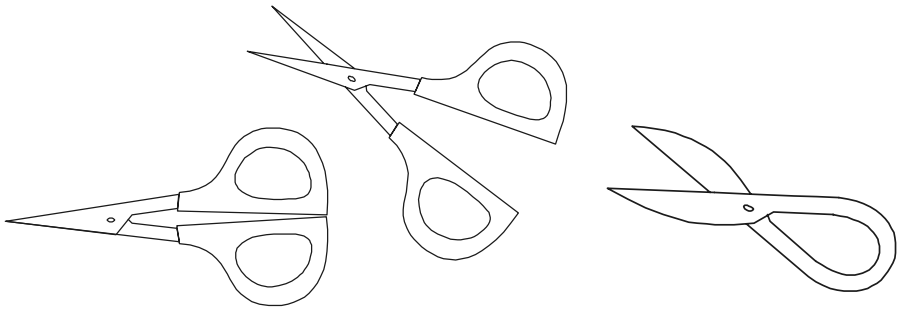

चित्र 28.3: कैंची और क्लिपर्स

(d) कढ़ाई के धागे – कशीदा/कढ़ाई के लिये धागे, अत्यंत महत्त्वपूर्ण वस्तु है। बाजार में अनेकों प्रकार के धागे उपलब्ध हैं। अलग–अलग प्रकार की कढ़ाई के लिये अलग–अलग प्रकार के धागे प्रयोग किये जाते हैं। कौन सा धागा प्रयोग किया जायेगा यह इस बात पर निर्भर करता है कि कढ़ाई किस वस्त्र पर की जायेगी। धागे सूती, रेशमी, ऊनी या सिंथेटिक हो सकते हैं। इसमें कम या ज्यादा ऐंठन हो सकती है अतः अलग–अलग धागों में अलग–अलग प्रकार की बारीकी

टिप्पणी

और चमक होगी। कशीदे के कुछ धागे प्लाई में भी उपलब्ध होते हैं। इसका अर्थ है कि कई सूतों को ऐंठकर धागा बनाया गया है। इस प्लाई वाले धागे से आप कितने भी धागे खींच कर प्रयोग कर सकते हैं। यदि आप पूरा छः प्लाई का धागा प्रयोग करें तो काफी स्पष्ट कशीदा बनेगा। बाजार में आमतौर पर कढ़ाई के धागे सूती धागे और रेशमी धागे (जिसे पट भी कहते हैं) के रूप में मिलते हैं। पट या रेशमी धागा कम ऐंठन वाला धागा होता है जो बेहद चमकदार परंतु कमज़ोर होता है। सूती धागे रेशमी धागों से कम चमक वाले पर ज्यादा मज़बूत होते हैं। ऊनी धागों को मोटी कढ़ाई के लिये प्रयोग किया जा सकता है।

कढ़ाई के धागे का चयन इस बात पर निर्भर करता है कि कढ़ाई कौन-सी है और कशीदाकार क्या प्रभाव उत्पन्न करना चाहता है।

(e) कशीदा/कढ़ाई के फ्रेम: अच्छे परिणाम के लिये कढ़ाई के लिये फ्रेम की आवश्यकता होती है। फ्रेम कपड़े को कसकर और समान रूप से खींच कर रखता है। फ्रेम पर किया हुआ कशीदा, हाथ से पकड़ कर किये कशीदे से अधिक साफ और त्रुटिहीन होगा। फ्रेम दो मुख्य प्रकार के होते हैं।

1. **गोल फ्रेम:** यह छल्ले या हूप भी कहलाते हैं। इसमें दो भाग होते हैं। एक छोटा छल्ला जो बड़े छल्ले में फिट हो जाता है। इन्हें सटाकर फिट रखने के लिये सामान्यतया एक पेंच या स्प्रिंग लगा होता है। कढ़ाई के लिये कपड़े को छोटे छल्ले पर रखा जाता है और बड़े छल्ले को कपड़े के ऊपर इस प्रकार सटा कर रखा जाता है ताकि यह छोटे छल्ले पर ठीक से बैठ जाये। ये फ्रेम लकड़ी या धातु के बने होते हैं। यदि आप बेहद महीन कपड़े को फ्रेम पर रख रहें हो तो अंदर के फ्रेम पर एक टिश्यू पेपर अवश्य रखें या इसे किसी पतले कपड़े से लपेट लें ताकि महीन कपड़े फ्रेम पर लगाने पर खिंचे नहीं।

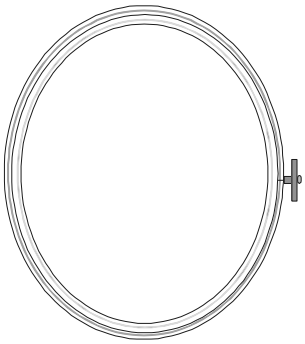

चित्र: 28.4 गोल फ्रेम

2. **चौकोर फ्रेम** – इसमें चार टुकड़ों को एक दूसरे से जोड़ कर इस प्रकार रखा जाता है ताकि एक आयत बन जाये। कढ़ाई वाले कपड़े को इस फ्रेम पर चारों ओर से खींच कर रखा जाता है। कपड़े को फ्रेम के अंत पर सुई और धागे की सहायता से सिल दिया जाता है।

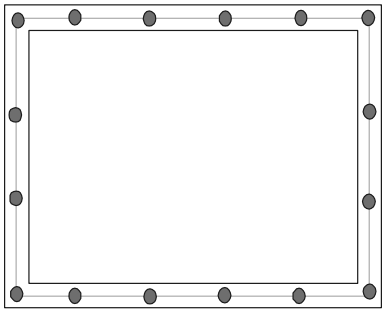

चित्र: 28.5 आयताकार फ्रेम/चौकोर फ्रेम

टिप्पणी

(f) कपड़ा: आप बाजार में उपलब्ध किसी भी कपड़े पर कढ़ाई कर सकते हैं। डिजायन के सही उपयोग, सुई और धागों से भिन्न–भिन्न प्रकार के कपड़ों पर सुंदर कशीदाकारी के कपड़े बनाये जा सकते हैं।

(g) डिज़ायन: अच्छी कशीदाकारी करने के लिये आपको अच्छे डिज़ायन की आवश्यकता होती है। इसके विषय में हम आपको अगले पाठ में विस्तार से बतायेंगे।

(h) कपड़े पर डिज़ायन बनाने के लिये अवश्यक सामग्री: कपड़े पर डिज़ायन बनाने के लिये आपको कई प्रकार के उपकरण और सामग्री की आवश्यकता पड़ती है। इसके लिये आपको कार्बन पेपर, मोमी कागज़, ट्रेसिंग पेपर, पेंसिल, रबर, मिट्टी का तेल, रूई आदि की आवश्यकता होती है।

क्रियाकलाप 28.1

निम्न चरणों का प्रयोग करते हुए अपने लिये एक सिलाई का डिब्बा/सुइंग किट तैयार करिये।

1. सिलाई के डिब्बे के लिये जरूरी वस्तुओं की सूची बनाइये।
2. जिस क्रम में आप उन्हें अपने डिब्बे में रखेंगे उसी क्रम में प्रत्येक वस्तु के सामने (√) का निशान लगाइये।

पाठगत प्रश्न 28.1

1. निम्न का मिलान करिये

कॉलम I	कॉलम II
(i) कढ़ाई की कैंची	(a) अंगुलियों की सुरक्षा के लिये धातु का टुकड़ा
(ii) अँगुस्ताना/थिम्बल	(b) महीन कपड़े की कढ़ाई के लिये प्रयुक्त सुइयां
(iii) फ्रेम	(c) धागा काटने के लिये चिमटियों जैसे तेज उपकरण
(iv) बारीक सुई	(d) मोटे कपड़े पर कढ़ाई करने के लिये सुई
(v) पट/रेशम का धागा	(e) सूती धागे से कम मजबूत
(vi) धागा काटने वाले क्लिपर्स	(f) कढ़ाई करने वाले कपड़े को पकड़ने वाला लकड़ी का छल्ला
(vii) रेशम का धागा	(g) काटने के लिये तेज़ और नुकीली धार
(viii) मोटी सुई	(h) चमकदार रेशमी धागा
	(i) अत्यंत मजबूत कढ़ाई का धागा

टिप्पणी

2. सही उत्तर का चुनाव करके निम्न वक्तव्यों को पूरा करिये। अपने उत्तर के लिये स्पष्टीकरण भी दीजिये।

(i) सुई का आकार निम्न के अनुरूप चुना जाता है।

(a) कपड़े की मोटाई
(b) कपड़े की बनावट
(c) कपड़े का रंग
(d) कपड़े की बुनाई

स्पष्टीकरण :.....
.....

(ii) अंगुस्ताना/थिम्बल रक्षा करता है.....

(a) धागे की
(b) सुई की
(c) अंगुली की
(d) अंगूठे की

स्पष्टीकरण :.....
.....

(iii) निम्न का प्रयोग कर के अच्छी कढ़ाई की संरचना की जा सकती है.....

(a) सूती धागे
(b) पट/रेशम का धागा
(c) रेशमी धागा

स्पष्टीकरण :.....
.....

(iv) कढ़ाई की कैंची में निम्न का होना आवश्यक है

(a) लम्बी व तेज़ ब्लेड
(b) नुकीली तेज़ ब्लेड
(c) लम्बी व नुकीली ब्लेड
(d) लम्बी, नुकीली और तेज ब्लेड

स्पष्टीकरण :.....
.....

(v) महीन कपड़े पर कढ़ाई करते समय

(a) छल्लों के बीच में कपड़े को कसकर लगायें
(b) अंदर वाले छल्ले को पतले कपड़े से लपेटें

टिप्पणी

(c) धातु का छल्ला प्रयोग करें

(d) लकड़ी का छल्ला प्रयोग करें

स्पष्टीकरण :.....

.....

पाठान्त प्रश्न

1. कशीदाकार/कढ़ाई शब्द की परिभाषा लिखें।
2. कढ़ाई के लिये आवश्यक उपकरणों की सूची बनाइये।
3. कशीदाकारी की सुइयां खरीदते समय आप किन बातों का ध्यान रखेंगे? आप इन सुइयों की देखभाल किस प्रकार करेंगे?
4. कढ़ाई के लिये प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के धागों की सूची बनाइये।

आपने क्या सीखा

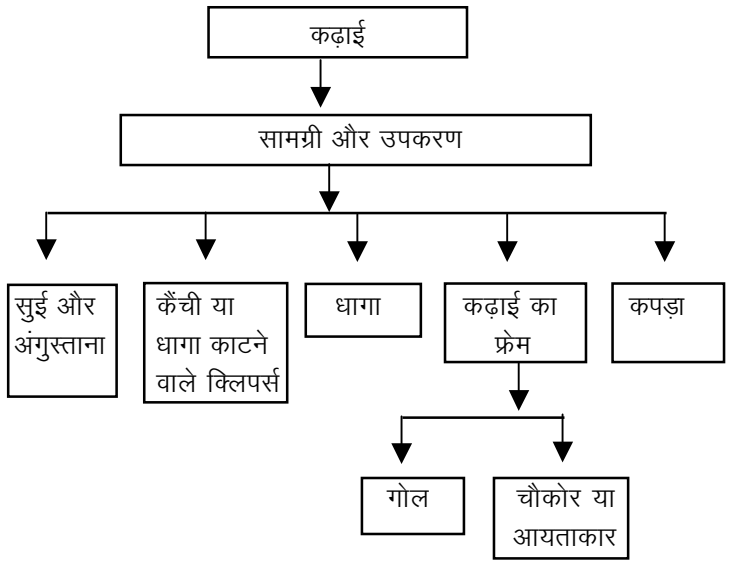

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

28.1 1. (i) g (ii) a (iii) f (iv) b
(v) h (vi) c (vii) e (viii) d

2. (i) a (ii) b (iii) a (iv) a (v) e